समनुदेशन) Assignment) हेतु प्रश्न

एम .ए .संस्कृत, तृतीय सत्र

काव्यशास्त्र (MSKTC-303) **कुल अंक 20**

निर्देश - इस पत्र में तीन समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार प्रश्न हैं। प्रत्येक समनुदेशन (Assignment) से दो प्रश्न लगभग 1500-1000 शब्दों में अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र को सम्प्रेषित करे।

समनुदेशन(Assignment)1 **अंक07** **(3.5X2)**

प्र .1 आचार्य मम्मट के स्थिति-काल, निवास-स्थान एवं कृतियों का परिचय दीजिए।

प्र .2 आचार्य मम्मट सम्मत काव्य लक्षण का विवेचन कीजिए।

प्र3 . मम्मट द्वारा निर्दिष्ट काव्य-प्रयोजन का वर्णन कीजिए।

प्र .4 निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए-

नियतिकृत नियमरहिता---------- कवेर्जयति।।

शक्तिर्निपुणता ------ हेतुस्तुदुद्भवे।।

इदमुत्तममतिशायिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद् ध्वनिर्बुधै कथितः।।

समनुदेशन(Assignment)2 **अंक07** **(3.5X2)**

प्र 1 . लक्षणा का लक्षण देकर उसके भेद-प्रभेदों का विवेचन कीजिए।

प्र2 . अभिधामूला व्यंजना का निरूपण कीजिए।

प्र3 . तात्पर्या वृत्ति का परिचय दीजिए।

प्र .4 आर्थी व्यञ्जना का निरूपण करे।

समनुदेशन (Assignment)3 **अंक 06** **(3X2)**

प्र1 . रस के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

प्र2 . गुणीभूतव्यंग्य के भेदों का निरूपण कीजिए।

प्र3 . रस निष्पति विश्लेषण के क्षेत्रभट्टनायक के योगदान का मूल्यांकन कीजिये।

प्र .4 निम्नलिखित में से किन्ही दो की व्याख्या कीजिए-

विभावानुभावाव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः।

निर्वेदस्थायिभावोऽपि शान्तोऽपि नवमो रसः।

तदाभासा अनौचित्यप्रवर्तिताः।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातकोत्तर संस्कृत तृतीय सत्र

सत्र.....

समनुदेशन विषय .....

पाठ्यक्रम कोड .....

समनुदेशन संख्या .....

प्रस्तुतकर्त्ता

नाम .....

पञ्जीकरण संख्या .....

अनुक्रमांक.....

स्थाई पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं. .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....